इसे जगाओ

भवानी प्रसाद मिश्र

भाई सूरज
ज़रा आदमी को जगाओ !
भाई पवन
ज़रा इस आदमी को हिलाओ !
यह आदमी जो सोया पड़ा है,
जो सच से बेख़बर है
सपनों में खोया पड़ा है ।

भाई पंछी
इसके कानों पर चिल्लाओ !
भाई सूरज
ज़रा इस आदमी को जगाओ ।
वक़्त पर जगाओ,
नहीं तो जब बेवक्त जगेगा यह
तो जो आगे निकल गए हैं
उन्हें पाने -
घबरा के भागेगा यह !

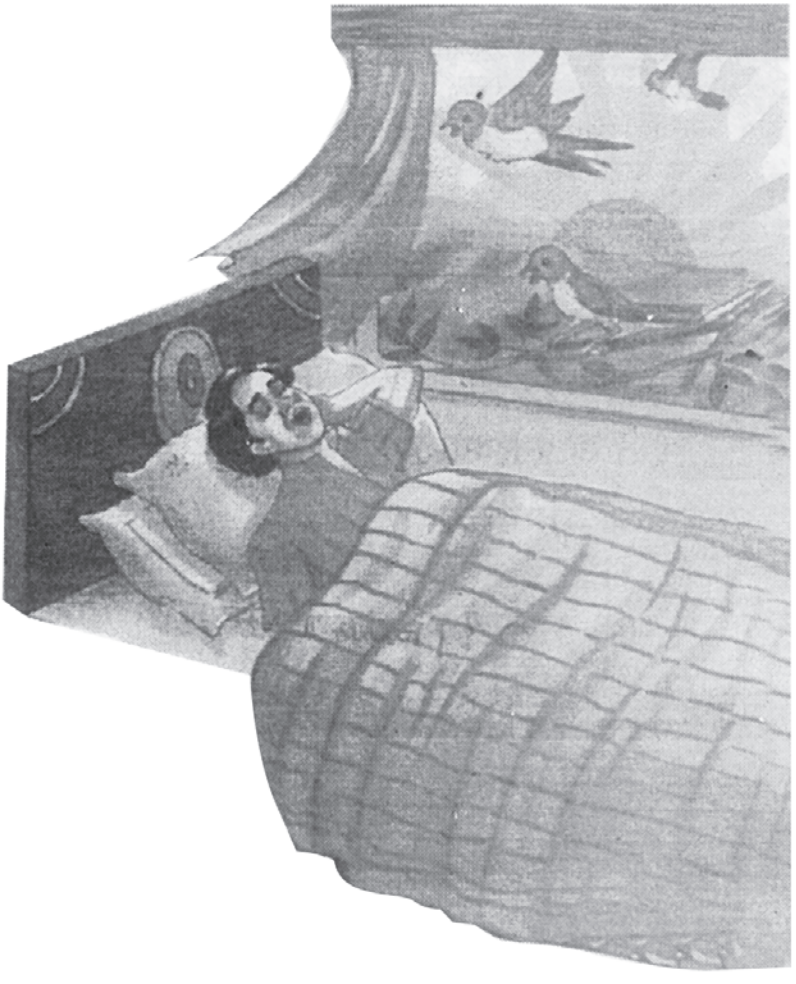

घबरा के भागना अलग है,
क्षिप्र गति अलग है,
क्षिप्र तो वह है
जो सही क्षण में सजग है ।
सूरज, इसे जगाओ,
पवन, इसे हिलाओ,
पंछी इसके कानों पर चिल्लाओ ।

भावबोध *:- इस कविता में कवि मनुष्य को सही समय पर जागने और सावधान होने की प्रेरणा देना चाहता है । उसका कथन है कि जो व्यक्ति सही समय पर सचेत होकर कर्म करता है, वही जीवन में सफलता प्राप्त करता है । इसके विपरीत जो वक्त पर सोया रहता है, वह जीवन में पिछड़ जाता है । इसलिए कवि सूरज, पवन और पक्षी से आग्रह करते हैं कि वे सोये हुए मनुष्य को जगाएँ ।*

- शब्दार्थ -

सूरज - सूर्य । पवन - हवा । बेखबर - अनजान । पंछी - पक्षी । वक्त पर - ठीक समय पर । क्षिप्रगति - तेज चाल । क्षण - पल । ज़रा - थोड़ा । सच - सत्य । बेवक्त - असमय । सही - उचित, ठीक । सजग - सावधान, सचेत ।

प्रश्न और अभ्यास

1. दीर्घ उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) 'इसे जगाओ' कविता में कवि का सन्देश क्या है ? इसे अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) इस कविता में मनुष्य को जगाने का दायित्व कवि किन-किन को सौंपता है ?

(iii) इस कविता में 'क्षिप्रगति' का तात्पर्य क्या है ? यह भी बताइए कि वक्त पर न जागने से क्या होगा ?

(iv) 'आदमी सच से बेखबर सोया है' कहने का तात्पर्य क्या है ? सोये हुए आदमी को कैसे जगाया जाता है ?

2. अति संक्षिप्त उत्तरमूलक प्रश्न -

(i) 'इसे जगाओ' कविता के रचयिता का नाम लिखिए ।

(ii) किन्हें पाने के लिए बेवक्त जागा हुआ आदमी भागता है ?

(iii) कवि ने मनुष्य को जगाने का अनुरोध किस-किस से किया है ?

(iv) आदमी सच से बेखबर कब हो जाता है ?

(v) कैसे लोग जीवन में आगे निकल जाते हैं ?

(vi) मनुष्य को समय पर जगाना क्यों जरूरी है ?

(vii) असमय जागने पर मनुष्य घबराकर क्यों भागता है ?

3. **सप्रसंग व्याख्या कीजिए -**

(i) वक्त पर जगाओ,
नहीं तो जब बेवक्त जागेगा यह
तो जो आगे निकल गए हैं
उन्हें पाने घबरा के भागेगा यह !

(ii) घबरा के भागना अलग है,
क्षिप्र गति अलग है,
क्षिप्र तो वह है
जो सही क्षण में सजग है ।

(iii) यह आदमी जो सोया पड़ा है,
जो सच से बेखबर है
सपनों में खोया पड़ा है ।

भाषा ज्ञान

4. **(i) जीवन की दौड़ में मनुष्य पिछड़ क्यों जाता है ? सही उत्तर चुनिए -**

(क) वह सुबह नहीं उठता ।

(ख) वह सुबह नहीं दौड़ता ।

(ग) वह समय पर सोया रहता है ।

(घ) वह उचित समय पर सजग नहीं रहता ।

(ii) **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए -**

पक्षी, सूरज, पवन, वक्त, सच

(iii) **निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए -**

सोना, खोया, सच, दिन ।

5. **निम्नलिखित शब्दों को उचित क्रियाओं से जोड़िए -**

'क'	'ख'
सूरज	हिलाता है
पवन	जगाता है
पक्षी	सोया है
आदमी	चिल्लाता है

6. **इस कविता को कंठस्थ कीजिए और कक्षा में सुनाइए ।**

●